



न्यायालय

सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी

गुडामालानी

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2018/00079

दर्ज तिथि:-30.04.2018

1. जुलेखान पुत्री हासन खां
2. सलिया खां पुत्री हासन खां
3. ज्मु खां पुत्री हासन खां
जाति मुसलमान निवासी देशान्तरी नाडी तहसील गुडामालानी

.....वादीगण

बनाम

1. सजनखां पुत्र हासन खां
2. मोहम्मद खां पुत्र हासन खां
3. जाम खां पुत्र अब्दुला खां के वारिसान
3/1 गफूर खां पुत्र जाम खां
3/2 रानी पुत्री जाम खां
3/3 झमला पुत्री जाम खां
कौम मुसलमान निवासी देशान्तरी नाडी तहसील गुडामालानी
4. टीकमा पुत्र वगता
5. अशोक पुत्र वगता
जाति मेगवाल निवासी रावली नाडी ग्राम नया नगर तहसील गुडामालानी
..... असल प्रतिवादीगण
6. शाखा प्रबंधक एसबीआई शाखा गुडामालानी
7. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार एवं उपपंजीयक गुडामालानी
..... तकमीली प्रतिवादीगण
8. मफरी कंवर पत्नी बीरबलसिंह परमार
जाति राजपूत निवासी नया नगर तहसील गुडामालानी
.....असल प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री रामजीवन विश्णोई

(वादी ने अपना दावा प्रत्याहारित किया गया)

प्रतिवादीगण:- श्री डालूराम चौधरी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955



—:निर्णय:—

निर्णय तिथि:- 05.03.2026

1. आज यह पत्रावली वाद पत्र अन्तर्गत धारा- 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 का बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा वास्ते निर्णय किये जाने पेश हुआ है। प्रकरण का सूक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि वादी की ओर से वाद पत्र अन्तर्गत धारा-53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा के तहत पेश कर निवेदन किया गया कि संयुक्त आराजी हाल खसरा संख्या 24 मौजा देशान्तरी नाडी पटवार हल्का नगर तहसील गुड़ामालानी जिला बालोतरा में अवस्थित है। प्रकरण में दिनांक 21.07.2025 को प्रारम्भिक डिक्री जारी की जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी से कुर्रेजात रिपोर्ट तलब की गई। तहसीलदार गुड़ामालानी के पत्रांक/कोर्ट/2025/1805 दिनांक 29.12.2025 द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट प्रेषित की गई। तहसीलदार गुड़ामालानी के पत्रांक/कोर्ट/2025/1805 दिनांक 29.12.2025 के द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट को तैयार करने की प्रक्रिया का विवरण निम्न प्रकार है:-

प्रक्रिया हेतु प्रावधान	अपनायी गई प्रक्रिया
<p>21. Preparation of map and demarcation of sub-divided fields. - The Tehsildar shall prepare and place on record map showing in different colours the plots given to each party, and if any field has been sub-divided, he shall demarcate the portion at the expense of the parties.</p>	<p>प्रकरण में दिनांक 12.12.2025 को तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा मय पटवारी/गिरदावर स्वयं मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>
<p>प्रकरण में पक्षकारो को मौका निरीक्षण हेतु जरिये नोटिस मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>	<p>1. प्रकरण में समस्त वादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के नोटिस क्रमांक 2718-2728 दिनांक 27.11.2025 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 12.12.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई। 2. प्रकरण में समस्त प्रतिवादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के नोटिस क्रमांक 2718-2728 दिनांक 27.11.2025 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 12.12.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>

2. उक्त कुर्रेजात रिपोर्ट पर अभिभाषक वादी द्वारा सहमति प्रदान की तथा प्रकरण में अंतिम बहस सुनी गई। प्रकरण में प्रतिवादीगण द्वारा कुर्रेजात रिपोर्ट पर दी गई सहमति एवं बहस पर मनन किया एवं संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2074-2077 तथा कुर्रेजात रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि असल प्रतिवादीगण संयुक्त आराजी मूल खसरा संख्या 24 के विभाजित हाल खसरा संख्या 837/24/6.9769 है0, 836/24/0.0647 है0 मौजा देशान्तरी नाडी पटवार हल्का नगर तहसील गुड़ामालानी जिला बालोतरा के संयुक्त खातेदार है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादी एवं असल प्रतिवादीगण की शामलाती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। जिस संयुक्त आराजी में वादी तथा असल प्रतिवादीगण का हिस्सा दर्ज रिकॉर्ड होना प्रमाणित होता है। उक्त विवादित आराजीयात अविभाजित है एवं राजस्व रिकॉर्ड में पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा नहीं हुआ है। पक्षकार की कुर्रेजात रिपोर्ट पर सहमति को ध्यान में रखते हुए पक्षकारान के मध्य उक्त विवादित आराजीयात का विधिक तकासमा किया जाना आवश्यक है अतः प्रतिदावा प्रतिवादीगण मुताबिक विभाजन-प्रस्ताव (कुर्रेजात रिपोर्ट) मय नक्शा- ट्रेस के अनुसार डिक्री किया जाना न्यायोचित है।

3. प्रकरण में प्रतिवादीगण द्वारा तकसीम आराजी के साथ-साथ स्थाई निषेधाज्ञा का अनुतोष का भी जिक्र किया गया। प्रकरण में वादी के अनुतोष के विवेचन हेतु तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है। जो कि निम्न प्रकार है:-

188. Injunction against wrongful ejection—

(1) Any tenant whose right to or enjoyment of the whole or a part of his holding is invaded or threatened to be invaded by his landholder or any other person may bring a suit for the grant of a perpetual injunction.

(2) The court may after making the necessary enquiry grant a perpetual injunction in the following cases, namely-

(a) if there exist no standard for ascertaining the actual damage caused or likely to be caused by the invasion;

(b) if the invasion is such that pecuniary compensation does not afford adequate relief;

(c) where it is probable that pecuniary compensation cannot be got for the invasion.

(d) where the injunction is necessary to prevent a multiplicity of proceedings.

4. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 के अवलोकन से स्पष्ट है कि धारा-188 के अन्तर्गत किसी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारो की आमदरफ्त में किसी प्रकार का व्यवधान/अतिक्रमण किया जा रहा हो/किया जाने वाला हो उस स्थिति में व्यवधान उत्पन्न/अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किए जाने के प्रावधान बनाए गए है। राजस्थान काश्तकारी

अधिनियम-1955 की धारा-188 की उपधारा-2 में स्थाई निषेधाज्ञा जारी किए जाने हेतु निम्न चार परिस्थितियां बताई गई हैं:-

परिस्थिति	विवरण
1.	जब हो रहे/होने वाले संभावित अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान के आंकलन हेतु कोई मानक/मापदण्ड अस्तित्व में नहीं हो।
2.	जब अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ इस प्रकार का हो कि नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति पर्याप्त राहत/संतुष्टि प्रदान नहीं करता हो।
3.	जब इस तथ्य की संभावना हो कि अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति की प्रदानगी संभव नहीं होगी।
4.	जब निषेधाज्ञा राजस्व विवादों की बहुलता को रोकने हेतु आवश्यक हो।

5. इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रकरण में पत्रावली के अवलोकन के अनुसार स्पष्ट है कि प्रकरण में प्रतिवादी का प्रथम अनुतोष स्वीकार होने के पश्चात् मुतनाजा आराजी पर प्रतिवादी का संयुक्त काश्तकार घोषित होने के आधार पर प्रतिवादी की संयुक्त खातेदारी होना पूर्ण रूप से साबित होती है। अतः मुतनाजा आराजी पर मुताबिक हिस्सा वादी का संयुक्त स्वामित्व अविवादित है। प्रकरण में प्रतिवादीगण की आराजी का विभाजन किया जाना प्रस्तावित है। उक्त विभाजन के पश्चात् प्रतिवादीगण का पृथक-पृथक खाता कायम किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही हाल में संयुक्त आराजी का रिकॉर्ड में पृथक अंकन किया जाकर मौके पर उसी अनुसार कब्जा भी पृथक से सुपुर्द किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रकार प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने हेतु अधिकृत व स्वतंत्र है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध खातेदारी अधिकारों पर नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इस आधार पर वादी व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं करने हेतु स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है।

6. अतः हाल सह काश्तकार बाद तकसीम अपने पृथक-पृथक संबंधित खाते में दर्ज खातेदारी आराजी के अलावा अन्य खातेदारी आराजी पर बेदखल करने का प्रयास नहीं करने एवं आमद रफत में मजाहमत उत्पन्न नहीं करने बाबत स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित है। अतः

आदेश है कि
प्रतिवादा प्रतिवादी संख्या 04, 05, 08 अन्तर्गत
धारा-53, 88, 188 राजस्थान काश्तकारी
अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई
निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी
खसरा 837/24/6.9769 है0, 836/24/0.0647
है0 मौजा देशान्तरी नाडी पटवार हल्का नगर तहसील
गुड़ामालानी जिला बालोतरा मुताबिक कुर्रेजात रिपोर्ट
मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वाद
डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व
रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता
प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार
गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	हिस्सा	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
राणी बानू पुत्री जाम पत्नी मोहम्मद	1956 / 4945	देशान्तरी नाडी	837 / 24	5.8693 है0	बा0दो0
साजन पुत्र हासम कौम मुसलमान सा0 देह खातेदार	2989 / 4945		836 / 24	0.0647 है0	बा0दो0
कुल किता 02 रकबा 5.9340 है0					
अशोक कुमार पुत्र वगताराम	1 / 2	देशान्तरी नाडी	837 / 24	1.1076 है0	बा0दो0
टीकमाराम पुत्र वगताराम	1 / 2				
जाति मेघवाल सा0 देह खातेदार					
कुल किता 01 रकबा 1.1076 है0					

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रुकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शकल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुर्रेजात निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। इसी अनुसार पृथक से पर्चा डिक्री तैयार की जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी को पालनार्थ हेतु भिजवाई जावे। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

जुलेखा बनाम साजन

2018/00079

निर्णय दिनांक:-05.03.2026

यह निर्णय आज दिनांक 05.03.2026 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)

सहायक कलक्टर

गुढामालानी





न्यायालय

सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी

गुडामालानी

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2018/00079

दर्ज तिथि:-30.04.2018

1. जुलेखान पुत्री हासन खां
2. सलिया खां पुत्री हासन खां
3. ज्मु खां पुत्री हासन खां
जाति मुसलमान निवासी देशान्तरी नाडी तहसील गुडामालानी

.....वादीगण

बनाम

1. सजनखां पुत्र हासन खां
2. मोहम्मद खां पुत्र हासन खां
3. जाम खां पुत्र अब्दुला खां के वारिसान
3/1 गफूर खां पुत्र जाम खां
3/2 रानी पुत्री जाम खां
3/3 झमला पुत्री जाम खां
कौम मुसलमान निवासी देशान्तरी नाडी तहसील गुडामालानी
4. टीकमा पुत्र वगता
5. अशोक पुत्र वगता
जाति मेगवाल निवासी रावली नाडी ग्राम नया नगर तहसील गुडामालानी

..... असल प्रतिवादीगण

6. शाखा प्रबंधक एसबीआई शाखा गुडामालानी
7. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार एवं उपपंजीयक गुडामालानी
..... तकमीली प्रतिवादीगण
8. मफरी कंवर पत्नी बीरबलसिंह परमार
जाति राजपूत निवासी नया नगर तहसील गुडामालानी

.....असल प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री रामजीवन विश्णोई

(वादी ने अपना दावा प्रत्याहारित किया गया)

प्रतिवादीगण:- श्री डालूराम चौधरी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955

-:पर्चा डिक्री:-

प्रतिवादा प्रतिवादी संख्या 04, 05, 08 अन्तर्गत धारा-53, 88, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा 837/24/6.9769 है0, 836/24/0.0647 है0 मौजा देशान्तरी नाडी पटवार हल्का नगर तहसील गुड़ामालानी जिला बालोतरा मुताबिक कुरेजात रिपोर्ट मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वाद डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	हिस्सा	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
राणी बानू पुत्री जाम पत्नी मोहम्मद	1956/494 5	देशान्तरी	837/24	5.8693 है0	बा0दो0
साजन पुत्र हासम कौम मुसलमान सा0 देह खातेदार	2989/494 5	नाडी	836/24	0.0647 है0	बा0दो0
कुल किता 02 रकबा 5.9340 है0					
अशोक कुमार पुत्र वगताराम	1/2	देशान्तरी नाडी	837/24	1.1076 है0	बा0दो0
टीकमाराम पुत्र वगताराम	1/2				
जाति मेघवाल सा0 देह खातेदार					
कुल किता 01 रकबा 1.1076 है0					

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रुकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शकल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुरेजात निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

जुलेखा बनाम साजन

2018/00079

निर्णय दिनांक:-05.03.2026

यह डिक्री आज दिनांक 05.03.2026 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)

सहायक कलक्टर

गुढामालानी

